हिमालय के 51 बुग्याल खतरे में

अनुराग उनियाल

कुदरत की अनमोल देन बुग्याल (उच्च हिमालयी क्षेत्र में घास के मैदान) पर खतरा मंडरा रहा है। केंद्र सरकार के निर्देश पर हुए वन विभाग के ताजा सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि टिहरी जिले के 51 बुग्यालों में भू-धंसाव हो रहा है। इसके चलते वनस्पति और बुग्यालों की घास नष्ट हो रही है। विभाग ने रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय को भेज दी है।

केंद्र सरकार ने इसी अप्रैल में प्रदेश के वन मुख्यालय को पत्र भेजकर हिमालयी क्षेत्र में बुग्यालों के संरक्षण के प्रयास और इसकी रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद टिहरी वन प्रभाग ने भिलंगना ब्लॉक के पिंसवाड़, घुत्तु, गंगी और गेंवाली गांवों की हिमालयी पहाड़ियों में बुग्यालों का सर्वेक्षण किया। जून में सर्वेक्षण के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई, जिसमें खुलासा हुआ कि जिले के हिमालयी क्षेत्र के 11399.60 हेक्टेयर में फैले 51 छोटे-बड़े बुग्यालों में से अधिकतर भू-धंसाव की चपेट में हैं। वन गुर्जर और ग्रामीण मवेशियों के चारे के लिए इन बुग्यालों में जाते हैं, जिस कारण पशुओं के खुरों से बुग्यालों में पाई जाने वाली घास और औषधीय पौधे नष्ट हो रहे हैं। लेकिन इसकी रोकथाम के लिए प्रयास नही किए जा रहे। भिलंगना रेंज के उप प्रभागीय वनाधिकारी हेमशंकर मैंदोला ने बताया कि सर्वेक्षण के अनुसार घास और जड़ी-बूटी मानवीय गतिविधियों के चलते नष्ट हो रही हैं। इसे रोकने के लिए अब प्रयास किए जा रहे हैं।

दैनिक जागरण (देहरादून), 27 June 2016